अनुक्रमनिका

- ❖ प्रमाणपत्र
- ❖ उदघोषणा
- ❖ समर्पण
- ❖ आभार

अ.क्र.	अध्याय	पृ.क्र.
1.	प्रथम अध्याय: शोध विषय का परिचय १.१ प्रस्तावना १.२ विषय साहित्य का पूनरावलोकन १.३ शोध का उद्देष्य १.४ शोध कि परिकल्पना १.५ शोध प्रविधी १.६ संदर्भ ग्रंथ सूची	1–16

2.	द्वितीय अध्याय: धर्म का समाजशास्त्रीय अर्थ एवं परिभाषा २.१ धर्म की व्याख्या २.२ धर्मांतरन का अर्थ २.३ धर्मांतरन की क्रांती २.४ धर्म एवं समाज की एकात्मता २.५ धर्मांतरन को बढावा देने वाली घटनाऐं २.६ संदर्भ ग्रंथ सूची	17-25
अ.क्र.	अध्याय	पृ.क्र.
३.	तृतिय अध्याय: ईसाई मिशनों की ऐतिहासिक पृश्ठभूमि ३.१ ईसाई मिशन: एक परिचय ३.२ ईसाई मिशन की विषेशताऐं एवं प्रभाव ३.३ ईसाई धर्म के प्रति प्रतिक्रीयायें ३.४ ईसाई धर्म की तरफ इतर धर्म के	26-44

	आकषन का कारण ३.५ संदर्भ ग्रंथ सूची	
४.	चतुर्थ अध्याय: धर्मांतरनीत व्यक्तीयों का वैयक्तिक अध्ययन ४.१ वर्धा तहसिल: एक परिचय ४.२ ईसाई धर्मधारन करने वाले व्यक्तियों के पारिवारीक, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिती का अध्ययन	45-88
5.	पंचम अध्याय: निश्कर्श एवं सूझाव	86-94
6.	अनुसूची: प्रष्नावली	95-100
7.	संदर्भ ग्रंथ सूची	101
8.	फोटोग्राफ	